

//-- सुविवार --//

जिंदगी की हर सुबह कुछ शर्तें लेकर आती है, और जिंदगी की हर शाम कुछ तजुबें देकर जाती है!

आज

बेबाक

ऊपर वाले तेरी माया, कहीं धूप कहीं छाया... यह कह कर हम अपने अपराध के लिए प्रकृति को जिम्मेदार ठाहराते हुए कुदरत की बदलती फितरत पर हैरत जताते हैं। मई के महीने में देश के उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में सूरज आग उगल रहा है तो कहीं-कहीं भारी बरसात हो रही है। हिमाचल प्रदेश और उतराखंड के बड़ीनाथ में ऐसी कड़के की ठंड पड़ रही है कि अलाव जलाने की नौबत आ गई है। नदी से पानी की जगह रेत और पेड़ से छांव की जगह लकड़ी चाहने की हमारी प्रवृति से प्रकृति कुपित होगी तो इसका दुष्परिणाम झेलना ही पड़ेगा।

सूर्योदय
उदय : 5.25 प्रातः
अस्त : 7.11 संध्या
जनसंख्या
विश्व : 7,949,397,390
भारत: 1,406,205,340
बाजार
सेंसेक्स : 53749.26
निफ्टी: 16025.80
गोल्ड : 52,250 प्रति 10 ग्राम
चांदी : 62,000 प्रति किग्रा
अण्डा दर: 4.66 प्रति नग

आज का दिवस

वेसाक दिवस

विश्व स्तर पर 26 मई को वेसाक दिवस मनाया गया है। वेसाक पूर्णिमा का दिन दुनिया भर के बौद्धों के लिए सबसे पवित्र दिन है। इस दिन भगवान गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2000 से यह दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने का संकल्प 1999 में पारित किया गया था। 2004 से, अंतर्राष्ट्रीय वेसाक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 2019 में, यह वियतनाम में आयोजित किया गया था। अब तक यह शिखर सम्मेलन थाईलैंड में 11 बार, वियतनाम में 3 बार और श्रीलंका में 1 बार हो चुका है। बुद्ध के जन्मदिन को वेसाक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय पहली बार 1950 में श्रीलंका में आयोजित बौद्धों के विश्व फेलोशिप सम्मेलन में औपचारिक रूप से दिया गया था। सम्मेलन में कई देशों के बौद्ध नेताओं ने भाग लिया था।

बाराबंकी में सड़क हादसे में चार मरे

बाराबंकी । उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के सफ्दरगंज क्षेत्र में बुधवार सुबह कटेनर की टक्कर से कार सवार चार लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अयोध्या लखनऊ राजमार्ग पर तड़के यह हादसा उस समय हुआ जब अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही एक कार के चालक को नींद आ गई और कार बेकाबू होकर डिवाइडर पार करके विपरीत लेन में पहुंच गई जहां अयोध्या की ओर जा रहे कटेनर से टकरा गई।

गरसा-गरम

दिवाली तक कटेगी आपकी जेब



दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर 2 | मनोरंजन/खेल/व्यापार 4 | अभिव्यक्ति 6 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.MPHIN/2017/72749 भोपाल, गुरुवार 26 मई 2022, कृष्ण पक्ष- दशमी , विक्रम संवत-2079 वर्ष-06 अंक-33 पृष्ठ-08 मूल्य 4 रुपए भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

आँगनवाड़ियों के लिए सामग्री एकत्रीकरण, जन-भागीदारी का अद्भुत प्रयोग रहा- सीएम चौहान

समाज के सहयोग से कुपोषण एक साल में किया जा सकता है समाप्त ,जो परिवार उचित मूल्य दुकान से राशन नहीं ले रहे, उनके नाम हटाकर जरूरतमंदों को जोड़े

भ्रष्टाचारियों और राशन चोरों को भेजें जेल

प्रदेशवासियों को सुशासन देने के संकल्प का क्रियान्वयन है, प्रातः कालीन समीक्षा-सत्र

सर्वसम्मति से पंचायत प्रतिनिधि चुनने वाली समरस पंचायतों में पात्र निवासियों को गरीब

कल्याण योजनाओं का दिया जाएगा शत-प्रतिशत लाभ

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रातः 6.30 बजे की रायसेन और नरसिंहपुर जिले की समीक्षा

मण्डीदीप में पेयजल की स्थिति में तत्काल सुधार के लिए पी.एस नगरीय विकास को दिए निर्देश

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान



ने कहा है कि प्रदेश में कुपोषण की समस्या वर्षों से रही है। इस दिशा में निरंतर प्रयास भी किए जाते रहे हैं। परन्तु मेरा यह मानना है कि बिना समाज के सहयोग से प्रदेश में कुपोषण को दूर नहीं किया जा सकता है। प्रदेश के कई स्थानों पर गौरव दिवस का आयोजन प्रारंभ किया गया, जिसमें लोगों ने आँगनवाड़ी के लिए भी सामग्री दी। मैं स्वयं 24 मई को भोपाल में आँगनवाड़ियों के लिए सामग्री एकत्र करने के उद्देश्य से सड़कों पर निकला। कुल 800 मीटर की यात्रा में जनता की ओर से दस टुक सामग्री और 2 करोड़ रुपये के चेक प्रदान किए गए। कई लोगों ने आँगनवाड़ियों की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। यह जन-भागीदारी का अद्भुत प्रयोग रहा है। सामाजिक कार्यों और लोगों का जीवन स्तर उठाने में सहयोग

के लिए सभी तत्पर हैं। हमें जन-कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों में जन-भागीदारी को अभियान का रूप देना होगा। किसान अनाज दें, लोग अपने जन्म-दिवस, वर्षगांठ, परिजन के पुण्य-स्मरण में आँगनवाड़ियों की गतिविधियों में योगदान दें। जन-अभियान परिषद, दीनदयाल अंत्योदय समिति और सामाजिक संगठनों को जोड़ें जाएं। मेरा यह विश्वास है कि जन-भागीदारी से एक साल में प्रदेश में कुपोषण समाप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज प्रातः 6-30 बजे रायसेन और नरसिंहपुर जिले की विकास गतिविधियों, जन-कल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था की स्थिति की वरुचुअल समीक्षा कर रहे थे। निवास कार्यालय से हुई बैठक में

सपा के समर्थन से सिब्वल जाएंगे राज्यसभा

- कपिल सिब्वल का खुलासा-16 मई को ही दे दिया था कांग्रेस से इस्तीफा
- निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री

ओडिशा में बस पलटने से छह पर्यटकों की मौत, 45 घायल

भुवनेश्वर । ओडिशा के गंजम जिले के कलिंग घाटी में मंगलवार देर रात बस के पलट जाने से पश्चिम बंगाल के कम से कम छह पर्यटकों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में चार महिला सहित दो पुरुषों की मौत हुई है।घायल हुए 45 लोगों में से 30 को भजनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया और 15 की हालत गंभीर है, जिन्हें बरहामपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। एमकेसीजी अस्पताल ने कहा कि यहां भर्ती सभी 15 मरीजों की हालत स्थिर है।

सपा का सिर्फ समर्थन, शामिल नहीं हो रहे

कपिल सिब्वल ने समर्थन देने के लिए आजम खान का भी शुक्रिया अदा किया। कपिल सिब्वल खुद साफ किया कि वह सपा में शामिल नहीं होने जा रहे हैं, बल्कि निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन किया है। सिब्वल ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मैं राज्यसभा का निर्दलीय उम्मीदवार बनने जा रहा हूँ। मैं हमेशा इस देश में स्वतंत्र आवाज बनना चाहता था। मुझे खुशी है कि अखिलेश यादव ने इसे समझा। हम पार्टी का सदस्य होने पर उसके अनुशासन से बंध जाते हैं।'

राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद में पत्रकारों से

बालामुला में 3 आतंकी ठेर, एक जवान शहीद



पुलिस कांस्टेबल के घर के बाहर उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इस हमले में कांस्टेबल शहीद हो गए जबकि उनकी सात वर्षीय बेटी घायल हो गई। पुलिस आतंकियों की धरपकड़ में जुटी है। आतंकियों ने कांस्टेबल सेफुल्र कादरी पर उस समय गोलीबारी

की, व वह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़ने जा रहे थे। कादरी तीसरे ऐसे पुलिसकर्मी हैं जिनकी इस महीने आतंकवादियों ने हत्या कर दी।कश्मीर रेंज के आईजी विजय कुमार ने कहा कि हमलावरों को पकड़ने के लिए आसपास के इलाकों शेष पृष्ठ 7 पर

समीक्षा...

राज्यपाल ने की मध्यप्रदेश राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन की समीक्षा

सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग में आशा कार्यकर्ताओं को करें शामिल : राज्यपाल

14 जिलों में चलेगा हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन का द्वितीय चरण

भोपाल/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल एनीमिया रोग प्रबंधन के लिए सिकल सेल वाहक और रोगियों की संख्या प्राप्त किया जाना प्राथमिक आवश्यकता है। कार्य की गति और व्यापकता के लिए स्क्रीनिंग कार्य में आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर जोड़ा जाये। आँगनवाड़ी, स्कूल, छात्रावास और महाविद्यालयों के स्क्रीनिंग शिविर में मिलने वाले सिकल सेल वाहक अथवा रोगी के परिजन की जाँच कराई जाये। राज्यपाल श्री पटेल मध्यप्रदेश राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन की राजभवन में समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन मानवता की सेवा का कार्य है। इससे



जुड़े हर व्यक्ति को व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। दिल, दिमाग लगाकर की गई सेवा के परिणाम सदैव सुखद और आनंददायी होते हैं। उन्होंने गुजरात में

मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि शेरों की मृत्यु की सूचना पर वे स्वयं तत्काल घटना स्थल पर समीक्षा के लिये

पहुँच गये थे। राज्यपाल ने अधिकारियों से इसी संवेदनशीलता के साथ कार्य की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्य का लक्ष्य सदैव बड़ा रखना चाहिए। इससे कार्य में गति आती है। परिणाम बेहतर प्राप्त होते हैं। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के उपचार प्रयासों में आयुर्वेद और अन्य पारम्परिक चिकित्सा प्रणालियों को शामिल किए जाने के संबंध में पहल की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी में जन-मानस के लिए गिलोय की औषधीय उपयोगिता से पहचान हुई है। आयुर्वेद में ऐसी अनेक जड़ी-बूटियाँ और उनके जानकार हैं। आवश्यकता उनके संबंध में प्रामाणिकता के साथ जानकारी संकलित किए जाने की है।

राज्यपाल श्री पटेल ने मिशन में रोग, रोकथाम और प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्हें बताया गया कि जिला

स्तर पर सिकल सेल एनीमिया जाँच और उपचार संबंधी संस्थागत व्यवस्थाएँ हैं। स्क्रीनिंग के लिए गाँव में चौपाल लगाकर जन-जागृति के बाद स्क्रीनिंग शिविर लगाया जाता है। मिशन द्वारा द्वितीय चरण में स्क्रीनिंग कार्य के लिए रोग की व्यापकता के आधार पर प्रदेश के 14 जिला के लिये कार्य-योजना तैयार की गई है। द्वितीय चरण में धार, बड़वानी, छिंदवाड़ा, खरगोन, बैतुल, मंडला, महामारी में जन-मानस के लिए गिलोय की अनूपपुर, सीधी, खंडवा और उमरिया जिलों को शामिल किया जाएगा। कार्य-योजना में प्रचार-प्रसार एवं बीमारी के संबंध में जागरूकता, स्वास्थ्य अमले को सिकल सेल एनीमिया के संबंध में स्क्रीनिंग एवं उपचार प्रबंधन का प्रशिक्षण, गर्भवती माताओं तथा 18 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग एवं पुष्टीकरण जाँच, शेष पृष्ठ 7 पर



आलिया के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म ‘डार्लिंग्स’ नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

मुंबई 24 मई शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी फिल्म ‘डार्लिंग्स’ इस वर्ष नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। गौरी खान, आलिया भट्ट और गौरव वर्मा इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म से निर्देशक जसमीत के रीन फुल लेंथ फीचर में डेब्यू करने वाली हैं। फिल्म में आलिया के अलावा शेफाली शाह, विजय वर्मा और रोशन मैथ्यू मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

डार्लिंग्स एक डार्क-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक मां-बेटी मुंबई में अपनी जगह खोजने की कोशिश करती हैं। वह सभी बाधाओं से लड़ते हुए असाधारण परिस्थितियों में साहस और प्रेम की तलाश करती हैं। इस फिल्म में एक बार फिर गीतकार गुलजार और विशाल भारद्वाज की जोड़ी संगीत के माध्यम से एक साथ होगी। आलिया ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए मंगलवार को कहा, “‘डार्लिंग्स का मेरे दिल में एक खास जगह है। रेड चिलीज के साथ निर्माता के रूप में मेरी यह पहली फिल्म है। हमें बहुत गर्व और खुशी है कि फिल्म ने कैसे आकार लिया है तथा हम आशा करेंगे की यह फिल्म पूरी दुनिया में दर्शकों का मनोरंजन करेगी।

न्यूज गैलरी

स्पाइसजेट पर हुआ रैनसमवेयर हमला

मुंबई । स्पाइजेट पर मंगलवार की रात हुए रैनसमवेयर (साइबर) हमले से एयरलाइन का परिचालन बुधवार सुबह प्रभावित रहा। एयरलाइन ने कहा, +कुछ स्पाइसजेट प्रणालियों को बीती रात साइबर हमले के प्रयास का सामना करना पड़ा जिसके प्रभाव से आज सुबह की उड़ान धीमी रही। हमारे आईटी दल ने स्थिति का पता लगाते हुए उसे ठीक कर लिया है और अब उड़ान सेवा सामान्य रूप से चल रही है। रैनसमवेयर उस तरह का साइबर हमला होता है जिसमें हैकर पीडित के डाटा व जरूरी फाइलों को अपने कब्जे में ले लेता है या उसे लॉक कर देता है और उन्हें वापस पहले की तरह करने के लिए भुगतान की मांग करता है।

प्रियम गर्ग के शानदार शतक से रजनीगंधा अचीवर की शानदार जीत

नई दिल्ली । किमती मैन ऑफ द मैच हैदराबाद रणजी ट्रॉफी और आईपीएल खिलाड़ी प्रियम गर्ग के शानदार शतक (134 रन, सिर्फ 123 गेंद, 13/4, 7/6), सोहराब धालीवाल (36),बादल सिंह बाल्यान (32),राहुल शर्मा (4/32),शिवम सिंह (2/49) के शानदार खेल की बदौलत रजनीगंधा अचीवर ने मांडन स्कूल बाराखंधा रोड ग्राउंड में खेले जा रहे 45वें रघुबीर सिंह हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट में रण स्टार क्रिकेट क्लब को 62 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से विवरंत ने शानदार शतक (105 रन, सिर्फ 66 गेंद, 11/4, 5/6) और 3 विकेट 68 रन देकर लिए। मैच का किमती मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रियम गर्ग को नवीन चौपड़ा ने दिया ।

क्रिकेट छोड़ अब क्रिकेट कार्यक्रम होस्ट करेंगे आमिर कोलकाता । रवि शास्त्री को अपने ‘फुटवर्क’ और राजस्थान रॉयल्स को अपनी ‘बल्लेबाजी’ से खुश करने वाले आमिर खान समय आने पर प्रदर्शन नहीं कर पाये। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव में हरभजन सिंह और इरफान पठान के साथ हुए एक क्रिकेट सत्र में आमिर को पता चला कि अभी वह क्रिकेट की कला नहीं सीख पाये हैं। इससे पहले क्रिकेट लाइव में इरफान और हरभजन ने आमिर का वह वीडियो देखा जिसमें वह क्रिकेट खेल रहे थे। वीडियो देखकर दोनों ने आमिर को सलाह दी कि उन्हें क्रिकेट

नई दिल्ली । ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स ने बुधवार को अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर ग्रेटा हार्पर जेडएक्स सीरीज-1 को पेश किया। इसमें ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार बैटरी की क्षमता और चार्जर का चुनाव कर सकते हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि हार्पर जेडएक्स सीरीज-1 के स्कूटरों की शुरुआती कीमत (एक्स-शोरूम) 41,999 रुपये है। उन्होंने बताया कि यह स्कूटर पांच घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाता है और डैश चार्जर के साथ इसे 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में तीन घंटे का समय लगता है। ग्रेटा हार्पर जेडएक्स सीरीज-आई रिवर्स ड्राइव मोड, 3-स्पीड ड्राइव मोड, डिजिटल एलईडी के साथ बेहतर डिस्पले और बिना चाबी के चालू होने जैसे फीचर्स हैं। इसमें आगे समान रखने की बड़ी जगह, डिजाइनर लाइट कंसोल, रियर टेल लैंप कंसोल, पैर रखने की ज्यादा जगह, फाईड 2.0 यूएसबी) मौजूद है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को



छह कलर ऑप्शन ग्रीन, जेट ब्लैक, ग्लांसो ग्रे, मैजैस्टिक मैजेटा, टर्क ब्लू और कैंडी व्हाइट के साथ बाजार में उतारा गया है। ग्रेटा हार्पर स्कूटर में इको, सिटी और टर्बो जैसे तीन तरह के मोड हैं। जिसमें स्कूटर पूरा चार्ज होने पर इको मोड में 100 किलोमीटर, सिटी मोड में 80 किलोमीटर और टर्बो मोड में 70 किलोमीटर तक चल सकता है। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को चिंता मुक्त यात्रा का अनुभव देने के लिए बैटरी पर तीन साल की वारंटी मिलेगी। ग्राहक एक बार चार्ज में 60

आईओए अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे नरेंद्र बत्रा

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा आईओए के अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने बुधवार को यह घोषणा की। बत्रा ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, +ऐसे समय में जब विश्व हॉकी एक आवश्यक विकास के दौर से गुजर रही है, हॉकी 5 के प्रचार, एफआईएच हॉकी नेशंस कप के रूप में इस साल एक नई प्रतियोगिता के निर्माण और प्रशंसकों को आकर्षित करने वाले प्लेटफ़ॉर्म और गतिविधियों की शुरुआत के साथ, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष के रूप में मेरी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इसलिये मैंने इस साल भारतीय ओलॉपिक संघ के अध्यक्ष



का चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, +मुझे लगता है कि समय आ गया है कि मैं इस भूमिका को किसी ऐसे व्यक्ति पर छोड़ दूँ जो नए दिमाग और नए विचारों के साथ भारतीय खेलों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाए

और साथ ही भारत में 2036 के ग्रीष्मकालीन ओलॉपिक के लिए काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए। बत्रा ने कहा कि आईओए के अध्यक्ष के रूप में काम करना उनके लिये सौभाग्य की बात थी और वह सिर्फ भारतीय खेलों की बेहदरी के लिये काम करते आए हैं। उन्होंने अपने पिछले चार साल के कार्यकाल में उनका समर्थन करने के लिये अपने साथियों का शुक्रिया किया।

शेयर मार्केट

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 99.35 अंक टूटकर 16025.80 अंक पर रहा

चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार फिर धड़ाम

मुंबई । वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, रियल्टी, इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स समेत 17 समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला सवेदी सूचकांक सेंसेक्स 303.35 अंक लुढ़ककर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 53749.26 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 99.35 अंक टूटकर 16025.80 अंक पर रहा। बीएसई का मिडकैप 1.93 प्रतिशत फिसलकर 21,829.06 अंक और स्मॉलकैप 2.94 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 25,123.30 अंक पर आ गया।



इस दौरान बीएसई में कुल 3444 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2611 में बिकवाली जबकि 717 में लिवाली हुई वहीं 116 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 32 कंपनियों ने नुकसान उठाया जबकि शेप 18 में तेजी रही। बीएसई में बैंकिंग और वित्त समूह की 0.26 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेप 17 समूहों में

गिरावट रही। इस दौरान बेसिक मेटैरियल्स 2.25, सीडीजीएस 2.47, ऊर्जा 1.34, हेल्थकेयर 1.51, इंंडस्ट्रियल्स 2.66, आईटी 3.19, दूरसंचार 1.18, कैपिटल गुड्स 2.44, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.40, धातु 1.41, तेल एवं गैस 1.50, रियल्टी 3.02 और टेक समूह के शेयर 2.39 प्रतिशत गिरे। वैश्विक बाजार में तेजी का रुख रहा। इस

दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.63, जर्मनी का डैक्स 0.27, हांगकांग का हैंगसेंग 0.29 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.19 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जापान का निक्केई 0.26 प्रतिशत उरार गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 201 अंक की तेजी के साथ 54,254.07 अंक पर खुला और मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 54,379.59 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से यह दोपहर बाद 53,683.16 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि संभलने की कोशिशों के बावजूद अंत में यह पिछले दिवस के 54,052.61 अंक के मुकाबले 0.56 प्रतिशत

53,749.26 अंक पर रहा। निफ्टी की शुरुआत भी मजबूत रही और यह 71 अंक बढ़कर 16,196.35 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,223.35 अंक के उच्चतम जबकि 16,006.95 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,125.15 अंक की तुलना में 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,025.80 अंक पर रहा। इस दौरान बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स की 18 कंपनियां लुढ़क गईं वहीं शेप 12 में लिवाली देखी गई। एशियन पेंट ने सबसे अधिक 8.04 प्रतिशत के गिरावट पर रही जबकि एनटीपीसी के शेयरों में सर्वाधिक 3.84 प्रतिशत की तेजी रही।

नई दिल्ली ।इनोवेशन पर अत्यधिक जोर दिये जाने से क्लाउड कंप्यूटिंग में प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता बढ़ने लगी है और इसलिए यहां पर क्लाउड कौशल कार्यक्रम बल में प्रशिक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है। क्लाउड कंप्यूटिंग में गति को बनाए रखने के लिए, डिजिटल कौशल युक्त तकनीकी प्रोफेशनल की आवश्यकता है जिससे इस क्षेत्र को प्रासंगिक बनाए रखा जा सके। एमेज़ॉन वेब सर्विसेज इंक (एडब्ल्यूएस) ने अलफ़नीटा से प्राप्त ‘बिल्डिंग डिजिटल स्किल्स फॉर द चेंजिंग वर्कफ़्रेम’ नामक शोध रिपोर्ट में पाया कि 2025 तक भारत में 63 प्रतिशत कामगार को अपने करियर में गति के लिए क्लाउड-संबंधित कौशल में

प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस होगी। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 2025 तक शीर्ष पांच सबसे अधिक मांग वाले डिजिटल कौशल में से तीन क्लाउड से संबंधित होंगे। डिजिटल रूप से कुशल वर्कों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, भारत के वर्तमान कार्यबल को शिक्षित करने की आवश्यकता है। एडब्ल्यूएस ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 2017 से लेकर अब तक उसने भारत में 20 लाख से अधिक लोगों को क्लाउड कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया है और क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी में जरूरी क्लाउड कौशल में प्रशिक्षित कार्य बल प्रदान कर एक मील का पत्थर तक पहुंच गया है। एडब्ल्यूएस के एशिया

आयुष्मान ने लोगों से भारत की सभी भाषाओं को सम्मान के साथ स्वीकार करने का आग्रह किया

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लोगों से भारत की सभी भाषाओं को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करने का आग्रह किया है। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘अनेक’ को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म भारत में फैले भाषा विवाद पर भी प्रकाश डालती है। आयुष्मान खुराना ने लोगों से भारत की सभी भाषाओं को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करने का आग्रह किया है। आयुष्मान ने कहा, हम वास्तव में एक भाषा को सबसे आगे नहीं रख सकते...भारत वह देश नहीं है। हमारे पास कई भाषाएं, कई धर्म, क्षेत्र, समुदाय और जातियां हैं। प्रत्येक भाषा समान रूप से है महत्वपूर्ण। हमें अपने राष्ट्र की प्रत्येक भाषा को समान महत्व देना चाहिए। आयुष्मान खुराना ने कहा, विभिन्न भाषाओं के बावजूद दिल एक होना चाहिए। भाषाएं चाहे अनेक हैं पर दिल एक होने चाहिए। गौरतलब है कि फिल्म ‘अनेक’ एक पॉलिटिकल-एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जो भाषा के आधार पर भेदभाव करने जैसे मुद्दे को उठाती है। अनेक का निर्देशन अनुभव सिन्हा कर रहे हैं। इस फिल्म में आयुष्मान को एक अंडरकवर पुलिस ‘जेशुआ’ के रूप में दिखाया गया है जो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति बहाल करने के मिशन पर है। ‘अनेक’ 27 मई, 2022 को रिलीज होगी।



अक्षय कुमार की फिल्म पृथ्वीराज का नया ट्रेलर रिलीज

मुंबई । बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म पृथ्वीराज का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म पृथ्वीराज ,पृथ्वीराज चौहान के जीवन और उनके पराक्रम पर आधारित है। अक्षय फिल्म में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं मानुषी छिल्लर फिल्म में पृथ्वीराज की प्रेमिका राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म ‘पृथ्वीराज’ का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर फिल्म पृथ्वीराज का ट्रेलर फैंस के साथ शेयर किया है। जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, सम्राट पृथ्वीराज चौहान शेर-दिल थे और उनके साहस की कोई सीमा नहीं थी। देखें ‘हिंदुस्तान का शेर’ एक्शन में। ट्रेलर का अभी अनुभव करें और पूरी फिल्म केवल थिएटर में देखें। ‘पृथ्वीराज’ 3 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रही है। अपने नजदीकी थिएटर्स में वाईआरएफ के 50 साल पूरे होने के साथ-साथ सम्राट पृथ्वीराज चौहान का भी जश्न मनाएं।

राजनीति पर आधारित फिल्म बनायेंगे प्रकाश झा

मुंबई । बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार प्रकाश झा की नयी फिल्म राजनीति पर आधारित होगी।

प्रकाश झा इन दिनों वेब सीरीज आश्रम सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस वेब सीरीज का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जो अब सुर्खियों में है। प्रकाश झा ने अपनी नई फिल्म का एलान कर दिया है, जो एक सुपरहिट फिल्म का सीकवल होगी। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म की कहानी लिख चुके हैं और जल्द ही काम शुरू करेंगे। प्रकाश झा ने कहा, मुझे नए विषयों का पता लगाना पसंद है। राजनीति एक ऐसा विषय है, जिसका एक और हिस्सा है, जो लिखा जा चुका है। लेकिन आप जानते हैं, राजनीति के क्षेत्र में कितना कुछ बदल जाता है। लेकिन मुझे यकीन है, जिसपर मैं काम कर रहा हूं, वह नया विषय है। चर्चा है कि प्रकाश झा को यह नई फिल्म देश की बदलती राजनीति पर आधारित होगी।



विलियमसन और पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा

मुम्बई । आईपीएल का हर सीजन कुछ न कुछ मुश्किलें लेकर आता है लेकिन इस बार इस सीजन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन और मुम्बई इंडियंस के आल राउंडर कीरोन पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा।

विलियमसन इस सीजन महज 19 के औसत और 93.5 के स्ट्राइक रेट से 216 रन ही बना पाए। जो कि बतौर सलामी बल्लेबाज यह आईपीएल के किसी भी सीज़न में न्यूनतम है, वहीं आईपीएल के तमाम सीज़न में यह

किसी भी ऐसे बल्लेबाज जिसने कम से कम 150 गेंदों का सामना



किया हो, यह चौथा सबसे कम है। इंपैक्ट एक ऐसा स्मार्ट स्ट्रेट है जो यह समझाने में मदद करता है कि किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन ने किस हद तक खेल के नतीजे को प्रभावित किया। इसकी गणना एक एल्गोरिथम के आधार पर की जाती

है जो कि पारी की प्रत्येक गेंद पर बल्लेबाज और गेंदबाज के ऊपर पड़े दबाव को मापता है। आईपीएल 2022 में विलियमसन का इंपैक्ट 38.64 रहा जो कि कम से कम 100 गेंदों का सामना करने वाले किसी भी विशेषज्ञ बल्लेबाज का सबसे खराब रहा। प्रति गेंद उनका इंपैक्ट -0.167 का रहा, जो कि एक और सर्वकालिक कम है। विलियमसन बतौर सलामी बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, जिस वजह से मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए महत्वपूर्ण मुकाबले में उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजा गया।

रामदास बालिगा तोशिबा

सॉफ्टवेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली ।तोशिबा समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज श्री रामदास बालिगा को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की।

श्री बालिगा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), मुंबई से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम टेक) की डिग्री प्राप्त की है। वह श्री ताकाशी इशिकावा की जगह लेंगे जो चार वर्षों तक तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नेतृत्व कर रहे थे। प्रबंध निदेशक के पद पर अपनी नियुक्ति पर श्री बालिगा ने कहा, +तोशिबा सॉफ्टवेयर

इंडिया वैश्विक स्तर पर तोशिबा समूह के डिजिटल और सॉफ्टवेयर परिवर्तन का एक अहम हिस्सा है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल परिवर्तन की ओर बढ़ रही है, हमारा लक्ष्य तोशिबा के अंदर और उसके बाहर डिजिटल दक्षता को सशक्त बनाना है, और उसको डिजिटल रूप से दक्ष उत्कृष्टता केंद्र (डिजिटल एंजाल सेंटर ऑफ़एक्सलेंस) में विकसित करना है। तोशिबा के भौतिक प्रणालियों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लक्ष्य से उसकी डिलीवरी बहुत अच्छी तरह से जुड़ी हुई है, जहां तोशिबा पहले से ही एक विश्व में अग्रणी है।

और साइबर भौतिक

इनफिनिटी लर्न ने एक करोड़ डॉलर में किया विजक्लब का अधिग्रहण

नई दिल्ली । शिक्षण समूह श्री चैतन्य के समर्थन प्राप्त एजंटेक कंपनी इनफिनिटी लर्न ने विजक्लब का एक करोड़ डॉलर में अधिग्रहण करते हुये एक और नए क्षेत्र इनफिनिटी प्पुचर्स में प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि ये बच्चों के संपूर्ण रूप से संज्ञानात्मक विकास में मदद करने वाला एक संपूर्ण एजंटेक स्टार्टअप है। यह स्टार्टअप अपनी एचओटीएस (हायर ऑर्डर थिंकिंग स्किल्स) और स्मार्टटेक प्रोग्राम से 6-14 साल के स्कूली बच्चों की प्रतिभा को निखारता और संचारता है और उनमें बेहतरीन शैक्षिक गुणवत्ता विकसित करता है।

यह इनफिनिटी लर्न के संचालन के प्रथम वर्ष में किया गया तीसरा अधिग्रहण है। इससे पहले इनफिनिटी लर्न ने शिक्षक समुदाय के एक डिजिटल प्लेटफॉर्म टीवर का अधिग्रहण किया था। इसके बाद इनफिनिटी लर्न ने अवधारणा पर आधारित कटेड प्लेटफॉर्म डोट मेमोराइज को अधिग्रहित किया था।

एडब्ल्यूएस ने 20 लाख से अधिक लोगों को किया क्लाड कंप्यूटिंग में प्रशिक्षित



संपादकीय

रिश्वतखोर मंत्री की बर्खास्तगी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपनी सरकार में शामिल स्वास्थ्य मंत्री डॉ. विजय सिंगला को रिश्वत मांगने के आरोप में अपने मंत्रीमंडल से बर्खास्त कर दिया है। यही नहीं बल्कि मुख्यमंत्री ने यह मामला जांच के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया है जिसमें डॉ विजय सिंगला और उनके ओएसडी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उक्त मंत्री पर स्वास्थ्य विभाग के ठेके देने के लिए एक प्रतिशत कमीशन की मांग की जाती थी। इस बारे में जब मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के पास शिकायत पहुंची तो उन्होंने बकायदा जाल बिछाया जिसमें डॉ विजय सिंगला फंस गए और मुख्यमंत्री के सामने अपनी रिश्वतखोरी की बात कबूल कर ली। इसके तत्काल बाद उन्हे मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के इस काम की जमकर तारीफ हो रही है। होनी भी चाहिए। आज जब हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे वाली नीति चल रही हो तब किसी भ्रष्ट मंत्री के खिलाफ इस तरह की कड़ी कार्यवाही की उम्मीद नहीं कर जाती है। भगवंत सिंह मान भी चाहते तो रिश्वतखोर मंत्री के खिलाफ कार्यवाही नहीं करते और उसे कड़ी चेतावनी देकर बख्खा सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और रिश्वतखोर मंत्री को अपने मंत्रीमंडल से बाहर का रास्ता दिखाकर जेल भिजवा दिया। गौरतलब है कि नई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सात साल पहले अपने मंत्रीमंडल से आसिफ अहमद नामक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्रीमंडल से बर्खास्त किया था। उस समय अरविंद केजरीवाल की भी तारीफ हुई थी। अब वहाँ काम पड़ने के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने किया है। इससे अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। शासन प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के लिए संबंधित मंत्री भी जिम्मेदार होते है। भ्रष्टाचार का परनाला ऊपर से नीचे की ओर बहता है। यदि ऊपर ऊँची कुर्सी पर बैठे भ्रष्ट लोगों के खिलाफ ऐसी कड़ी कार्यवाही होगी तो नीचे के लोग निश्चित रूप से इससे सबक लेंगे और रिश्वतखोरी से तोबा करंगे लेकिन अकसर देखा जाता है कि रिश्वत खोरी और भ्रष्टाचार के आरोप में पटवारी और बाहु लोगों पर ही कार्यवाही की जाती है। उच्च अधिकारी और मंत्रियों पर तो अपवाद स्वरूप ही कभी कभार ऐसी कार्यवाही हो पाती है। यदि हमे रिश्वतखोरी का खाम्ता करना है और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाना है तो रिश्वतखोरों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ऊपर से ही कार्यवाही की शुरूआत करनी होगी। इस मामले में नई दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रि ने जो मिसाल पेश की है उसकी तारीफ करनी होगी और उनके इस कदम का अनुशरण करना होगा तभी स्वस्थ और जवाबदेह प्रशासनतंत्र लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर पाएगा।

कविता

हंसदेव कहे दुकार के

जल जंगल जमीन के, पाम लगते बाजार में।
मीठ बोली लुभाकर बेचें,वर्तमान सरकार में॥
ऊँची बोली में बिकते, ईमान हर परहेदार के।
गुहार कौन सुनगा, खिदमत में है ठेकेदार के?
जीव जंतु मिट जाए,वृक्ष कटाई अपरंपार के॥
नष्ट-भ्रष्ट नदियाँ बाँध,प्रकृति हुई निराधार के॥
भिन्न-भिन्न के विधि बने, गुम हुए सब संहार में।
रंग-रंग के स्वांग रचते, पक्ष में धरणी श्रृंगार के॥
अरण्य रक्षक जनजाति, कह रही खूब पुकार के॥
जीवन आधार, संस्कृति, लुप्त होने के कगार में॥
व्यतीत होती अब दिनचर्या, रो-रोकर निराहार के॥
बूढ़ादेव तुम्ही बचाओ, भविष्य दिखे अंधकार में॥
पर्यावरण संरक्षण नारा, मैली चिपकी दीवार में।
वह भी अब कह रही, हमें निकालो तिरस्कार में॥
भाँति-भाँति के संगठन, कहाँ गुले चोख-पुकार में।
नहरों से होती खाद्यान्न, भूलों सत्ता के जयकार में॥
लाखों तरु की कटाई का, फल मिलेगा अहंकार के।
उच्च ताप बिन वर्षा के, भूखे मरेंगे बिन आहार के॥
हंसदेव कहे पुकार के, अब हमे बचा लो सरकार से।
बिन मौत ही मर रहे हैं, बदले जीवन देंगे उपकार के॥



सोनल सिंह सोनू

पताल बिन साग मीठय नहीं

काली गेंव बजार।
पताल होगे सौ के पार।
पताल बिन साग ह मिठय नहीं।
अउ मोर बजत म समाय नहीं।
बिन पताल सुवाद ह जनाय नहीं।
मोर जोड़ी ऐला पतियाय नहीं।
जी के काल होगे, का रांधव।
हमर घर अम्मत ल खाख्य नहीं।
सलाद के पलेट ह चुच्छ परगे।
केकड़ी, खीरा, पियाज के संसावरी बिछड़गे।
पताल चटनी के अड़बड़ सुरता आये।
लइका सियान जम्मो चांट-चांट खाये।
मंहगाई के मोरे
अब हमर घर पताल ह आय नहीं।
बिन पताल के साग ह मीठय नहीं।

पाठकों की बात

अब ना मैं वो हूँ ना

अब ना मैं वो हूँ ना बाकी हैं जमाने मेरे।
फिर भी मशरूह हैं शहरों में फसाने मेरे॥ जिंदगी हैं तो नए जख्म भी लग जायेंगे।
अब भी बाकी हैं कई दोस्त पुराने मेरे॥ आप से रोज मुलाकात की उम्मीद नहीं।
अब कहां शहर में रहते हैं ठिकाने मेरे॥
उम्र के राम ने साँसों का धनुष तोड़ दिया।
मुझ पे एहसान किया आज खुदा ने मेरे॥ आज जब सो के उठ हूँ तो ये महसूस किया।
मिस्रकियाँ भरता रहा कोई सिरहाने मेरे।
- कमलकांत डोंगरे

काश पेड़ चल पाते

काश पेड़ चल पाते तो चल कर अपनी जान बचा लेते।
विकास के लिये बेरहमी से कटने से बच जाते।
काश पेड़ चल पाते तो वहां चले जाते जहां विकास अभी नहीं होना है क्योंकि विकास के लिये उसका कटना जरूरी है हत्यारों से तो बच जाते काश पेड़ चल पाते।
- तपन मुखर्जी

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

.खास प्ताी.

पहले तुम परिचित थे फिर



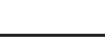
पहले तुम परिचित थे फिर अपरिचित हुए पहले तुम दृश्य थे, फिर तुम अदृश्य हुए पहले तुम लभ्य थे, फिर तुम अलभ्य हुए पहले हम गुम्फित थे, अब मैं? हूं अस्पृश्य।
पहले तुमने घोषित प्रेम किया, फिर तुम्हारा प्रेम अघोष हुआ
पहले तुम्हारी रूचि थी मुझमें, अब मैं बासी व्यंजन की तरह अरुचिकर हूँ
पहले तुम दीप थे मेरी निराशा के, अब तुम सूर्य हो मेरी आशा के
पहले तुम्हारा अभिसार पूनम था, अब तुम्हारा विरह अमावश है ये तुम्हारा 'अ'
अब मुझे अधीर कर रहा है। मैं आशक हो रही हूँ मेरा विागी मन अनुरागी हो रहा है मेरे प्राण में प्रस्थापित तुम्हारा 'अ' मेरी सदगति को बाधित कर, मुझे अंगति कर रहा है।
- कुमुद रंजन झा

मैं बांध लेती हूं पल्लू में

सावन। और गुजर जाती हूँ सूखे से बेधड़क मैं गूंध लेती हूँ कुंतल में बसंत और पनझड़ में भर देती खुशबुओं का अनुराग मैं सोख लेती हूँ साँसों में गम्री फैला देती हूँ कंकप पाते शीत में सूरज का निवास मैं ओट लेती हूँ हथेलियों में सर्दी और खोल देती हूँ भर गरमी में शीतल बयार मैं मरुथल की बेटी हूँ जानती हूँ कैसे गुजरना है आभावों के संकरे रास्तों से बेहिचक बेधड़क साँसों में रस्ती भर भी घुटन के बगैर।



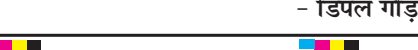
सुना है हमने गालिब से कि मुहब्बत बड़ी अजीब होती है इसमें आहत हुए बिना कहीं राहत नसीब होती है दरिया-ए-मम धीरे-धीरे चैन-ओ-सुकून बहा ले जाता है फिर तो अश्कों की बारिश ही बस अपने तकरीब होती है।



- आर्शा पांडेय ओझा

सुना है हमने गालिब से कि

सुना है हमने गालिब से कि मुहब्बत बड़ी अजीब होती है इसमें आहत हुए बिना कहीं राहत नसीब होती है दरिया-ए-मम धीरे-धीरे चैन-ओ-सुकून बहा ले जाता है फिर तो अश्कों की बारिश ही बस अपने तकरीब होती है।



- डिंपल गौड़



संजय पराते

इस आंदोलन से जुड़े और 8वीं तक पढ़े आजाद ने बताया कि अन्य दिनों में उपस्थिति 200-500 तक रहती है। सबसे ज्यादा पढ़ाई रघु ने की है 12वीं तक और वे इस आंदोलन के असली चेहरा हैं। हमने देखा कि सैन्य बलों की भारी उपस्थिति के बीच भी वे निर्भीकता से अपनी बात प्रकाश के बीच रख रहे थे। इस दौरान आदिवासियों के शोषण और लूट के खिलाफ संघर्ष की चमक और गीत का आत्मविश्वास उनके चेहरे पर स्पष्ट देखा जा सकता था। रघु के साथी गनटो ने भी केवल 12वीं तक पढ़ाई की है। कला संस्कृति मंच इस आंदोलन में लगातार सक्रिय है। इससे जुड़े साथी वर्षों के आंदोलनकारियों के साथ मिलकर गीत लिख रहे हैं। आजाद बताते हैं कि लिखने की इस प्रक्रिया में हिंदी गानों ने उनकी बहुत मदद की है। वे उचित शब्द की खोज में डिक्शनरी का भी सहारा लेते हैं। सभी मिलकर इन गीतों की घुने भी बनाते हैं और किसी भी बड़े कार्यक्रम के आयोजन के हफ्ता-दस दिन पहले सब मिलकर नृत्य की प्रैक्टिस भी करते हैं।



डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अमेरिका को यह बात तो अच्छी तरह समझ में आ गई है कि शीतयुद्ध काल का वह जमाना अब लट गया है, जब रूसी और सेतो जैसे सैन्य-संगठन बनाए जाते थे। उसने चीन से सीखा है कि अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आर्थिक अस्त्र ही सबसे ज्यादा कारगर है लेकिन अमेरिका की समस्या यह है कि वह लोकतांत्रिक देश है, जहां विपक्ष और लोकतंत्र दोनों ही सबल और मुखर हैं जबकि चीन में पार्टी की तानाशाही है और लोकमत नागक कोई चीज वहां नहीं है। जो भी ले, इन दोनों महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में भारत को तो अपना राष्ट्रहित साधना है। इसीलिए उसने बार-बार ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे स्पष्ट हो जाता है कि भारत किसी (चीन) के विरुद्ध नहीं है। वह तो केवल आर्थिक सहकार में अमेरिका का साथी है।

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर में बीजापुर-सुकमा जिले की सीमा पर स्थित सिलगेर गांव में उन पर हुए राजकीय दमन के खिलाफ चल रहे प्रतिरोध आंदोलन को एक साल, या ठीक-ठीक कहें तो 390 दिन, पूरे हो चुके हैं। बीजापुर-जगरगुंडा मार्ग पर पहले से स्थापित दर्जनों सैनिक छावनियों की श्रृंखला में पिछले साल ही 12-13 मई की मध्य रात्रि को, तैरम में स्थापित एक छावनी के दो किमी. बाद ही, सिलगेर में चार आदिवासी किसानों की जमीन पर कब्जा करके बना दिये गए एक और छावनी के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर रहे आदिवासियों के प्रतिरोध को कुचलने के लिए पुलिस और सैन्य बलों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग में एक गर्भवती महिला सहित 5 लोग शहीद हो गए थे और 300 आदिवासी घायल हो गए थे।

तब से इस सैन्य छावनी को हटाने और उस इलाके में खनिज दोहन के लिए बन रहे लंबे-चौड़े सड़क निर्माण को रोकने, इस फायरिंग के जिम्मेदार लोगों को सजा देने और हताहतों को मुआवजा देने की मांग पर पूरा दक्षिण बस्तर आंदोलित है। वास्तव में यह नरसंहार प्राकृतिक संसाधनों की कॉर्पोरेट लूट को सुनिश्चित करने के लिए राज्य प्रायोजित जनसंहार था और कांग्रेस सरकार इसकी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। एक साल बीत जाने के बाद भी आज तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, घायलों और शहीदों के परिवारों को मुआवजा मिलना तो दूर की बात है। आदिवासी एक अंतर्हीन न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 13 मई 2021 को अचानक ओ इस अर्ध सैनिक बलों की इस छावनी ने पेसा और वनाधिकार कानून और मानवाधिकारों को कुचलने के सरकारी पराक्रम पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। इस जनसंहार को दबाने और आदिवासी प्रतिरोध को कुचलने की सरकार ने जितनी भी कोशिश की, यह आंदोलन तेज से तेज हो रहा है और इस बीहड़ क्षेत्र में आदिवासियों की लामबंदी बढ़ती ही जा रही है। यह आंदोलन पूरे बस्तर और छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में प्राकृतिक संसाधनों की

लूट के खिलाफ प्रतिरोध के प्रतिनिधि चेहरे के रूप में विकसित हो रहा है। मूलवासी बचाओ मंच द्वारा संचालित इस आंदोलन ने देशव्यापी किसान आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए जब अपनी सभा का आयोजन किया, 26 नवंबर को दस हजार से ज्यादा आदिवासी पुरुष-महिला, नौजवान-नवयुवतियां शामिल थे, जिनकी



संख्या शहीदों की बरसी पर आयोजित इस सभा में बीस हजार तक पहुंच गई थी। इन दोनों सभाओं का किसान सभा प्रतिनिधि के रूप में हम लोग गवाह हैं। इस जनसंहार के बाद कांग्रेस पार्टी ने एक प्रतिनिधिमंडल सिलगेर भेजा, लेकिन उसकी रिपोर्ट आज तक सामने नहीं आई। भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने भी वहां का दौरा किया और चुपगी साध ली। जन आक्रोश के दबाव में सरकार को दंडाधिकारी जांच की भी घोषणा करनी पड़ी, लेकिन एक साल बाद भी उसकी जांच का कोई अता-पता नहीं है। सिलगेर आंदोलन का संचालन कर रहे नौजवान आदिवासियों ने दो बार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बात की है, लेकिन थोथा आश्वासन ही मिला है, ठोस कार्यवाही कुछ नहीं हुई है। इस आंदोलन स्थल से सीधी रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार पूर्णचन्द्र त्थ ने अपने डिस्पैच में लिखा है : कैम्प हटाने का कोई प्रयास सरकार का नहीं दिखाई देता,

बल्कि आंदोलन को कमजोर करने की तमाम कोशिशें की जाती रही। पास के तैरम थाने को पार करते ही सभी तरह के मोबाइल नेटवर्क का समापन हो जाता है और संचार के लिए सिर्फ पुलिस का वायरलेस सेट काम करता है। साल भर के इस प्रदर्शन में सर्दी, गर्मी, बरसात जैसी सारी प्राकृतिक विपदाओं के बीच आंदोलन जारी रहा। हालांकि कोरोना

छेटी-मोटी बीमारियों, चोट, दस्त के लिए दवाइयां भी यहां आने-जाने वालों के लिए फ्री में उपलब्ध है। किसी भी लंबे चलने वाले आंदोलन के लिये जरूरी सभी व्यवस्थाएं अपने स्थानीय संसाधनों से करने की पूरी कोशिश की गई थी।

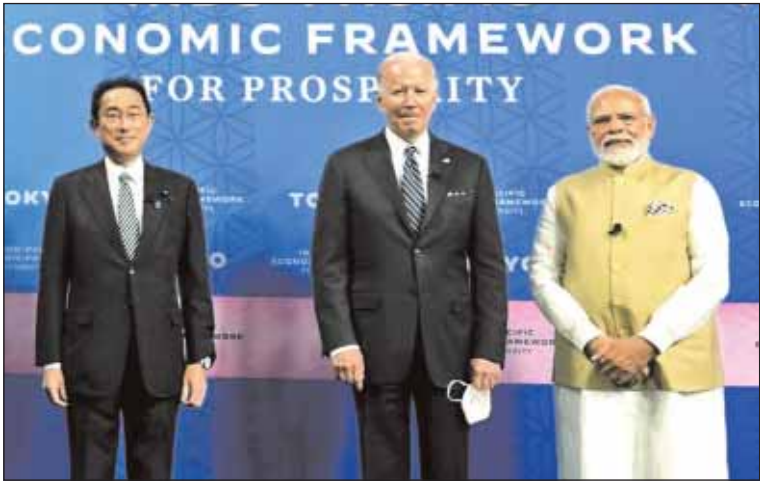
तेज गर्मी में लोगों के बैठने के लिये ताड़ के पत्तों से ढका मात्र 6 फीट ऊंचा तकरीबन 80,000 वर्ग फीट का मंडप बनाया गया था। मिट्टी की लिपाई से बना मंच, जिसकी लंबाई करीब 40 फीट और चौड़ाई करीब 20 फीट होगी, रंग-बिरंगे कागजों के फूलों से सजाया गया था। मंच पर सोलर फोटोवोल्टिक शीट से ऊर्जा प्राप्त माईक सिस्टम और लैपटॉप, प्रिंटर की व्यवस्था थी, जिससे मूलवासी मंच की विज्ञप्ति और सूचनाएं प्रिंट करके बांटी जा रही थी। इस दूरस्थ स्थल पर कवरेज के लिए आने वाले पत्रकारों को लिखित धन्यवाद पत्र भी बांटा गया।

मूलवासी बचाओ मंच के पर्व में आंदोलन की अब तक की घटनाओं को सिलसिलेवार ढंग से रखने की कोशिश की गई है। पूरे आयोजन में कम से कम 5 मोबाइल कैमरे निरंतर वीडियो रिकार्डिंग करते रहते हैं, कोई भी कार्यकर्ता जब बयान देता या बातचीत करता है, तो बेहद गंभीरता से एक-एक मुद्दे को बताता है, जिसे रिकार्ड करने उनका कोई साथी भी मौजूद रहता है।

किसी भी आंदोलन में जनता की उपस्थिति और उसमें लगने वाले जोशीले नारे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन लंबे समय तक चलने वाले ऐसे आंदोलनों में, जिसका कोई और-छोर दिखाई नहीं देता और जिसकी सफलता-असफलता की कोई निगायक भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, पर्दे के पीछे का सांस्कृतिक हस्तक्षेप इससे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। देशव्यापी किसान आंदोलन में भी हमने यह देखा, सिलगेर आंदोलन की तकत के पीछे भी यही सांस्कृतिक हस्तक्षेप है।

- (लेखक छत्तीसगढ़ किसान सभा के अध्यक्ष हैं- संपर्क : 094242-31650)

चीन की टक्कर में नया पैतरा



बाइडन प्रशासन को अपने इस लक्ष्य में कहां तक सफलता

मिलेगी, यह इस पर निर्भर करेगा कि वह इन सदस्य-राष्ट्रों को कितनी छूट देगा। बाइडन-प्रशासन पहले से ही काफी दिक्कत में है। अमेरिका में मंहगाई और बेरोजगारी ने उसकी अर्थव्यवस्था की गति को धीमा कर दिया है और बाइडन प्रशासन की लोकप्रियता पर भी इसका असर पड़ा है। ऐसी हालत में वह इन दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के साथ कितनी रियायत कर पाएगा, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। अमेरिका को यह बात तो अच्छी तरह समझ में आ गई है कि शीतयुद्ध काल का वह जमाना अब लट गया है, जब सीटो और सेटो जैसे सैन्य-संगठन बनाए जाते थे। उसने चीन से सीखा है कि अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आर्थिक अस्त्र ही सबसे ज्यादा कारगर है लेकिन अमेरिका की समस्या यह है कि वह लोकतांत्रिक देश है, जहां विपक्ष और लोकतंत्र दोनों ही सबल और मुखर हैं जबकि चीन में पार्टी की तानाशाही है और लोकमत नागक कोई चीज वहां नहीं है। जो भी हो, इन दोनों महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में भारत को तो अपना राष्ट्रहित साधना है।

बाइडन प्रशासन को अपने इस लक्ष्य में कहां तक सफलता मिलेगी, यह इस पर निर्भर करेगा कि वह इन सदस्य-राष्ट्रों को कितनी छूट देगा। बाइडन-प्रशासन पहले से ही काफी दिक्कत में है। अमेरिका में मंहगाई और बेरोजगारी ने उसकी अर्थव्यवस्था की गति को धीमा कर दिया है और बाइडन प्रशासन की लोकप्रियता पर भी इसका असर पड़ा है। ऐसी हालत में वह इन दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के साथ कितनी रियायत कर पाएगा, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। अमेरिका को यह बात तो अच्छी तरह समझ में आ गई है कि शीतयुद्ध काल का वह जमाना अब लट गया है, जब सीटो और सेटो जैसे सैन्य-संगठन बनाए जाते थे। उसने चीन से सीखा है कि अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आर्थिक अस्त्र ही सबसे ज्यादा

कारगर है लेकिन अमेरिका की समस्या यह है कि वह लोकतांत्रिक देश है, जहां विपक्ष और लोकतंत्र दोनों ही सबल और मुखर हैं जबकि चीन में पार्टी की तानाशाही है और लोकमत नागक कोई चीज वहां नहीं है। जो भी हो, इन दोनों महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में भारत को तो अपना राष्ट्रहित साधना है। इसीलिए उसने बार-बार ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे स्पष्ट हो जाता है कि भारत किसी (चीन) के विरुद्ध नहीं है। वह तो केवल आर्थिक सहकार में अमेरिका का साथी है। चीन से विवाद के बावजूद उसका आपसी व्यापार बढ़ता ही जा रहा है। इस नए संगठन के जरिए उसका व्यापार बढ़े, न बढ़े लेकिन इसके सदस्य-राष्ट्रों के साथ भारत का आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है।

QUIZ TIME

- मध्यप्रदेश में किस लोकप्रिय कार्टून चरित्र के माध्यम से कोरोना जागरूकता अभियान चलाया गया?
- किस राज्य ने भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर राज्य का रत्न पुरस्कार स्थापित करने का निर्णय लिया है?
- दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हीरा कहीं खोजा गया?
- बिटकॉइन को कानूनी मान्यता देने वाला दुनिया का पहला देश कौन-सा है?
- भारतीय मूल की वह महिला पत्रकार जिन्हें इंटरनेशनल रिपोर्टिंग के लिये पुलित्जर पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया?

जवाब: (1) अशोक शर्मा (2) उत्तराखण्ड (3) महाराष्ट्र (4) ब्राजील (5) रश्मि इंदुराज

Ramaquiz

आज का इतिहास

नई दिल्ली 11679: ब्रिटेन की संसद ने बन्दी प्रत्यक्षीकरण कानून पारित किया था, जिसे दुनिया का पहला मनुष्य की निजी आजादी का मानवाधिकार कानून माना जाता है। 1739: मुगल बादशाह मोहम्मद शाह और ईरान के नादिर शाह के बीच हुई संधि के परिणामस्वरूप अफगानिस्तान, भारत से अलग हुआ। 1805: नेपोलियन को इटली के राजा का ताज पहनाया गया। 1822: यु चर्च में लगी आग में 116 लोगों की मौत। यह नाँव के इतिहास में सबसे बड़ा अग्निकांड था। 1918: जॉर्जिया का लोकतांत्रिक गणराज्य स्थापित किया गया था। 1926: लेबनान में संविधान को अंगीकार किया गया। 1950: ब्रिटेन में पेट्रोल खरीदने पर लगी सीमा को खत्म कर दिया गया। इससे पहले हर व्यक्ति को पेट्रोल खरीदने के लिए

राशन कार्ड दिया जाता था। 1955: चार्ल्स इवान्स ने दुनिया की तीसरे नम्बर की सबसे ऊँची पर्वत चोटी कंचनजंघा पर विजय प्राप्त की थी, जिसकी ऊँचाई 8585 मीटर है। 1966: ब्रिटिश गुयाना ने स्वतंत्रता प्राप्त की और गुयाना बन गया। 1969: अपोलो कार्यक्रम: अपोलो 10 पृथ्वी पर आने वाले सभी घटकों के सफल आउट-दिवसियों परीक्षण के बाद वापस लौटा। 1972: विलंड्रा नेशनल पार्क ऑस्ट्रेलिया में स्थापित किया गया। 1972: अमेरिका और सोवियत संघ ने एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल संधि पर हस्ताक्षर किए। 1999: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारत, जर्मनी और दक्षिण कोरिया के तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया।

क
ह
4
थ

थ

